भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

खम्मा घणी!!

अंक-03

अक्टूबर - दिसंबर तिमाही 2023

माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में अंशकालिक हिंदी प्रशिक्षण एवं परीक्षा केंद्र का शुभारंभ करते हुए

"मुझे एम्स जोधपुर और आईआईटी जोधपुर का नाम केवल राजस्थान के ही नहीं, बल्कि देश के प्रमुख संस्थानों में देखकर बहुत खुशी होती है"

- प्रधानमंत्री

निदेशक का संदेश

प्रिय साथियों,

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर अपनी त्रैमासिक हिंदी पत्रिका 'खम्मा घणी' के तृतीय अंक का प्रकाशन कर रहा है जो अत्यंत हर्ष की बात है। संस्थान की गतिविधियों की जानकारी हिंदी में प्रदान करने एवं कार्मिकों को हिंदी लेखन के प्रति उत्साह वर्धन के लिए यह पत्रिका एक विशिष्ट मंच प्रदान करती है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5 अक्टूबर 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का स्थायी परिसर राष्ट्र को समर्पित किया गया, जो हम सभी के लिए एक गौरवशाली क्षण रहा। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा समारोह के दौरान यह कहा गया कि, *"वर्तमान पीढ़ी में देश के जिज्ञासु युवाओं के कौशल एवं अनुसंधान को पोषित करने हेतु इस प्रकार के प्रतिष्ठित संस्थानों की आवश्यकता है। देश तीव्र गति से विकास की राह पर अग्रसर है, जिसमें तकनीकी संस्थान अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।"*

संस्थान में 28 दिसंबर 2023 को उत्तरी क्षेत्रों के एक दिवसीय संयुक्त राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में राज्यपाल महोदय द्वारा संस्थान के अंशकालिक टंकण प्रशिक्षण केन्द्र का भी शुभारंभ किया गया। इसी तिमाही के दौरान संस्थान में 02-03 दिसंबर 2023 को पहली बार तकनीकी हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विशेषज्ञ वार्ताएं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

मैं प्रकाशन मंडल सहित कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूँ जिन्होंने पत्रिका के इस अंक को मूर्त रूप प्रदान करने में अपना अमूल्य योगदान दिया हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका से प्रेरित होकर अधिकाधिक कार्मिक अपने दैनिक कार्यालयीन कामकाज में हिंदी की ओर प्रवृत होंगे।

इस पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

प्रो. शांतनु चौधुरी
निदेशक, भा. प्रौ. सं. जोधपुर

मुख्य संरक्षक

प्रो. शांतनु चौधुरी
निदेशक / अध्यक्ष,
राजभाषा कार्यान्वयन समिति

संरक्षक

प्रो. संपत राज वडेरा
उप निदेशक / उपाध्यक्ष,
राजभाषा कार्यान्वयन समिति

प्रकाशन मंडल

डॉ. सोमनाथ घोष
कार्यवाहक कुलसचिव, अध्यक्ष

प्रो. राम प्रकाश
भौतिकी विभाग, सदस्य

डॉ. क्षेमा प्रकाश
पुस्तकालय उपाध्यक्ष, सदस्य

श्री नीरज कुमार
कनिष्ठ अधीक्षक, सदस्य

डॉ.नितिन भाटिया
हिंदी अधिकारी, सदस्य सचिव

संपादकीय

प्रिय पाठक,

त्रैमासिक हिंदी पत्रिका 'खम्मा घणी' के इस तीसरे संस्करण को आपके समक्ष प्रस्तुत करना एक हर्ष का क्षण है। इस पत्रिका के पहले के दो संस्करणों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। जिससे हमें राजभाषा संबंधित कार्यों के निष्पादन में अथक प्रयासों की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा मिलती है ।

भारत में अनेक भाषाएँ और संस्कृतियाँ विद्यमान हैं । इन भाषा रूपी मोतियों की माला को हिंदी ने एक धागे की तरह कार्य करते हुए जोड़ने की भूमिका बखूबी निभाई है । हिंदी हम सब की बोलचाल की भाषा है जिसके माध्यम से हम अपने विचारों को सहजता से साझा कर पाते हैं । राजभाषा हिंदी का प्रचार प्रसार करना न केवल हमारा परम कर्तव्य है, अपितु संवैधानिक उत्तरदायित्व भी है ।

हमारी 'खम्मा घणी' पत्रिका राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है । मुझे आशा है कि आप पत्रिका के आगामी अंकों के प्रकाशन में आपका सहयोग प्रदान करेंगे । हमें आवश्यक सुधार के लिए आपके मूल्यवान सुझावों एवं प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा रहेगी ।

आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ ।

मंगल कामनाओं सहित . . .

डॉ. नितिन भाटिया
हिंदी अधिकारी

नोट: इस पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने हैं, प्रकाशन मंडल का उससे सहमत होना आवश्यक नही है ।

संपर्क सूत्र – office_hindi@iitj.ac.in दूरभाष - +91 291 2801199

संकलन एवं अनुवाद - अशोक गहलोत, कनिष्ठ अधीक्षक एवं सुरेश कुमार, कनिष्ठ सहायक, हिन्दी प्रकोष्ठ

संकेतक

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	तकनीकी हिन्दी संगोष्ठी 2023	06
2.	09वां दीक्षांत समारोह	10
3.	स्वच्छता अभियान	12
4.	महात्मा गांधी जयंती	13
5.	उन्नत भारत अभियान कार्यशाला	14
6.	नव नियुक्त - कर्मचारी	17
7.	नव नियुक्त - संकाय सदस्य	18
8.	माननीय प्रधानंत्री द्वारा संस्थान परिसर राष्ट्र को समर्पित	19
9.	स्वागत समारोह - अध्यक्ष अभिशासक मंडल	22
10.	उत्तरी क्षेत्रों का क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन	23
11.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	26
12.	विभागीय तकनीकी वार्ताएँ एवं चर्चा सत्र	28
13.	कविता- विज्ञान के देवता	29
14.	कविता- जब हमने आगे बढ़ना है	31
15.	कविता- पूरक	32
16.	राष्ट्रीय संविधान दिवस एवं भारतीय भाषा उत्सव	34
17	एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद	35
18	इंटर आईआईटी खेल प्रतियोगिता	36
19	कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	37

तकनीकी हिन्दी संगोष्ठी 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 02-03 दिसंबर 2023 को तकनीकी हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार राजभाषा हिन्दी के माध्यम से जन-साधारण के मध्य संवाद स्थापित किया जाना एक वृहत लक्ष्य है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम अनुसंधान के बारे में जागरूकता बढ़ाते हुए और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में राजभाषा हिन्दी की भूमिका को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा पहली बार तकनीकी हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री पंकज कुमार सिंह, मंडल रेल प्रबंधक एवं अध्यक्ष नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास-I) जोधपुर थे। स्वागत भाषण संस्थान के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी द्वारा दिया गया। उन्होनें यह बताया कि भा. प्रौ. सं. जोधपुर में तकनीकी शिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप दी जा रही हैं तथा प्रथम वर्ष की पाठ्य सामग्री हिंदी में भी तैयार की जा रही है।

श्री पंकज कुमार सिंह ने सरकारी कामकाज में हिन्दी के उपयोग पर प्रकाश डाला और भारतीय रेलवे में काम करने के साथ-साथ अपने अध्ययन काल के दौरान अपने पिछले अनुभवों को साझा किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं उत्साहवर्धन किया तथा ऐसे आयोजन के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर को धन्यवाद दिया। उप-निदेशक प्रो. संपत राज वडेरा ने राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में इस प्रकार की संगोष्ठी के आयोजन किये जाने को एक विशेष उपलब्धि माना।

आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. सौमित्र कुमार सनाढ्य ने बताया, “इस संगोष्ठी में दो मुख्य शीर्षकों: 1. आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का सतत विकास’, 2. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हो रहे मौलिक एवं नवीनतम प्रयास के साथ-साथ शैक्षणिक सत्र एवं राजभाषा सत्र को समावेशित किया गया है। इसके अंतर्गत कुल 84 आलेख प्रविष्टियों के रुप में प्राप्त हुए जिनमें से 74 आलेख प्रकाशन हेतु चुने गए हैं। चयनित लेखों को एक आलेख संग्रह का रूप दिया गया है।”

तकनीकी हिंदी संगोष्ठी 2023 के आलेख संग्रह का विमोचन करते मुख्य अतिथि श्री पंकज कुमार सिंह, संस्थान के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी, उपनिदेशक प्रो. संपत राजवडेरा, कार्यवाहक कुलसचिव डॉ. सोमनाथ घोष एवं आयोजन समिति अध्यक्ष प्रो. सौमित्र कुमार सनाढ्य।

संगोष्ठी को विभिन्न विषय विशेषज्ञों जिनमें डॉ. मेहर वान सीएसआईआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन एंड पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली; श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली; श्रीमती मीतू माथुर बधवार, अनुवादक, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड; प्रो. राजेश कुमार, आचार्य, भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर एवं डॉ. आनंद मिश्रा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने भी संबोधित किया एवं विभिन्न तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की। साथ ही वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद से सेवानिवृत्त वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. पूरण सिंह पाल और औद्योगिकी अनुसंधान प्रयोगशाला से मुख्य अधिशासी अधिकारी डॉ. राजीव कुमार शर्मा ने शैक्षणिक एवं राजभाषा सत्रों की अध्यक्षता की।

संगोष्ठी के दूसरे दिन 03 दिसम्बर को राजभाषा सत्र के रूप मे एक प्रशिक्षण सत्र का भी आयोजन किया गया जिसका संचालन नराकास-I जोधपुर के सदस्य सचिव श्री शिवचरण बैरवा (उत्तर पश्चिम रेलवे मंडल जोधपुर) द्वारा किया गया। 03 दिसम्बर को ही आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. सौमित्र कुमार सनाढ्य द्वारा प्रत्येक सत्र के उत्कृष्ट लेखों के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। तकनीकी हिन्दी संगोष्ठी 2023 के सचिव एवं हिन्दी अधिकारी डॉ. नितिन भाटिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संगोष्ठी का समापन किया गया।

श्रीमती मीतू माथुर बधवार, एस.ए.आई.एल

श्री कुमार पाल शर्मा, राजभाषा विभाग

प्रो. राजेश कुमार शर्मा, भा.प्रौ.सं. इंदौर

तकनीकी हिंदी संगोष्ठी के दौरान उद्बोधन देते आमंत्रित वक्ता

डॉ. मेहर वान, सी.एस.आई.आर.

डॉ. आनंद मिश्रा, भा. प्रौ.सं. जोधपुर

श्री शिवचरण बैरवा, मंडल रेलवे कार्यालय जोधपुर

तकनीकी हिंदी संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों के अंतर्गत प्रतिभागी एवं सत्राध्यक्ष

तकनीकी हिंदी संगोष्ठी के पुरस्कार विजेताओं की सूची निम्नानुसार हैं-

क्रम संख्या	पुरस्कार विजेता का नाम (डॉ./श्री/श्रीमती/ सुश्री)	स्थान	आलेख शीर्षक	सत्र
1	अभिषेक शर्मा	प्रथम	पुलिस मे जोखिम का प्रत्यक्षण और कुसमायोजी प्रबन्धन शैलियों के उपयोग को कम करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विश्वास की आवश्यकता	तकनीकी सत्र-1
2	सृष्टि सांघी	द्वितीय	कोशिका जीव विज्ञान और इमेजिंग का नया युग	
3	कृतार्थ श्रीवास्तव	तृतीय	प्रकाशीय संचार के लिए मल्टीमोड व्यतिकरण आधारित प्रकाशीय उपकरण	
4	शिल्पा डांडवानी	प्रथम	रेडियो आवृति ऊर्जा संचयन: एक नई ऊर्जा की दिशा	तकनीकी सत्र-2
5	कुणाल राव	द्वितीय	भ्रामक सूचना के लिए मशीन लर्निंग: एक व्यापक सर्वेक्षण	
6	गजराज शर्मा	तृतीय	इलेक्ट्रॉनिक्स आधारित इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स सक्षम टक्कर-रोधी वाहन सुरक्षा प्रणाली	
7	सुधांशु शर्मा	प्रथम	एआई के उपयोग द्वारा 'पाई' को अपरिमेय संख्या के रूप में विज़ुअलाइज़ेशन	शैक्षणिक सत्र-1
8	सत्य प्रकाश सिंह	द्वितीय	स्तन कैन्सर के कारण व बचाव के लिए तकनीक का प्रयोग	
9	अलोक कुमार	तृतीय	नवीकरणीय ऊर्जा एवं हरित ऊर्जा	
10	अनिकेत सचान	प्रथम	मेटावर्स में साइबर नैतिकता, गोपनीयता एवं सुरक्षा के उभरते खतरे एवं समाधान	शैक्षणिक सत्र-2
11	कैलाश चंद्र	द्वितीय	इंटरनेट ऑफ थिंग्स एवं अनुप्रयोग	
12	दीक्षित दत्त बोहरा	तृतीय	क्वांटम तकनीक में त्रुटि-शमन एवं सूचना विनिमय के मत्त्वपूर्ण आयाम : सुरक्षा, गोपनीयता एवं नीति	
13	प्रकाश चन्द्र	प्रथम	प्रौद्योगिकी संस्थानों में राजभाषा के विकास की अपार संभावनाएं	राजभाषा सत्र
14	किरण अय्यर वी.	द्वितीय	सीमा शुल्क कार्यों में प्रौद्योगिकी विकास संग सबल होता आत्मनिर्भर भारत	
15	पीयूष चंद्र प्रकाश	तृतीय	नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा विद्युत उत्पादन	

संगोष्ठी के सामापन समारोह के उपरांत समूह चित्र

संगोष्ठी के दौरान आयोजित कार्यशाला एवं पुरस्कार वितरण समारोह के विभिन्न दृश्य

09वां दीक्षांत समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 21 नवंबर 2023 को 9वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। डॉ. के. राधाकृष्णन, पूर्व अध्यक्ष, अंतरिक्ष आयोग / इसरो एवं पूर्व सचिव, अंतरिक्ष विभाग ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में डॉ. विजय चंद्रू, आई.एन.ए.ई. के प्रतिष्ठित टेक्नोलॉजिस्ट (IISc) / सह-संस्थापक, स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज तथा प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना, कुलपति, बी.आई.टी., मेसरा भी उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता भा.प्रौ.सं. जोधपुर के अभिशासक मंडल के अध्यक्ष श्री ए. एस. किरण कुमार ने की।

कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों, अभिभावकों और प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति में 2023 बैच के छात्रों को 799 डिग्रियाँ और 20 डिप्लोमा/प्रमाणपत्र पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें बी.टेक. के 316, एम.एससी. के 92, एम.एससी.-एम.टेक. के 4, एम.टेक. के 283, एम.बी.ए. और एम.बी.ए.-टेक्नोलॉजी के 77, एम.टेक.-चिकित्सा प्रौद्योगिकी के 06, पीएच.डी. कार्यक्रम के 21 और पीजी डिप्लोमा/सर्टिफिकेट के 20 छात्र शामिल थे।

दीक्षांत समारोह की रिपोर्ट पेश करते हुए भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी ने कहा कि, "मैं सभी 799 छात्रों और 20 डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूँ। साथ ही, मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि आज हम प्रो. रोहिणी गोडबोले, प्रो. पारस एन. प्रसाद और श्री विनोद गुप्ता को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।"

उन्होंने आगे कहा कि "भा.प्रौ.सं. जोधपुर की कल्पना एक भविष्य-संचालित संस्थान के रूप में की गई है, जिसका उद्देश्य ज्ञान का सृजन, संरक्षण प्रदान करके विचारों की उत्कृष्टता का पोषण करना है। यह संस्थान सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति से जुड़ा है और बहु-विषयक दृष्टिकोण के साथ परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके सामाजिक चुनौतियों और आकाँक्षाओं का सरोकार करने की क्षमता रखता है।"

संस्थान के 9वें दीक्षांत समारोह कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि, अभिशासक मंडल अध्यक्ष, निदेशक एवं समस्त सीनेट सदस्य

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर सक्रिय रूप से मानव स्वास्थ्य, तकनीकी उन्नति और युवा दिमागों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले अत्याधुनिक मौलिक अनुसंधान में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। अक्टूबर 2023 तक, प्रायोजित अनुसंधान, परामर्श, फैलोशिप, और प्रायोजित सम्मेलन/कार्यशाला/सेमिनार/संगोष्ठी जैसी विभिन्न श्रेणियों के तहत अनुसंधान एवं विकास कार्यालय में 322 सक्रिय परियोजनाएँ पंजीकृत है।

मुख्य अतिथि डॉ. के. राधाकृष्णन ने अपने वक्तव्य में कहा, "भा.प्रौ.सं. जोधपुर के 9वें दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनना मेरे लिए अत्यंत सम्मान की बात है। प्रिय छात्रों - आज आप नए पंखों से सुशोभित होंगे जो आपको वास्तविक दुनिया में अपनी पहली उड़ान भरने में सक्षम बनाएंगे। आपकी शिक्षा आपको कई अद्भुत अवसरों का लाभ उठाने की शक्ति देती है जो आपकी प्रतीक्षा कर रहे है। मैं आपके माता-पिता को भी आपको शिक्षा रूपी इस अमूल्य उपहार देने के लिए बधाई देना चाहता हूँ।"

स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए श्री ए.एस. किरण कुमार ने कहा, "मैं आज स्नातक होने वाले सभी छात्रों को बधाई देता हूँ। आज मिलने वाली डिग्रियों के बाद आप सभी युवा अपने करियर में एक नया अध्याय शुरू करेंगे। आप में से बहुत लोग स्टार्टअप, अनुसंधान, अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करने या उद्योगों की तरफ आकर्षित हो सकते हैं। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हुई कि डी.आर.डी.ओ. ने अब भा.प्रौ.सं. जोधपुर में डीआरडीओ-इंडस्ट्री एकेडेमिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए औपचारिक मंजूरी पत्र जारी कर दिया है। इस केंद्र में वॉरगेमिंग के लिए डेजर्ट वारफेयर टेक्नोलॉजीज, फ्यूचरिस्टिक मोबिलिटी सिस्टम और एआई पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।" समारोह का समापन विभिन्न वर्गों के अंतर्गत पदक विजेताओं के सम्मान के साथ किया गया।

दीक्षांत समारोह में उपाधि / प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात छात्र-छात्राओं का एक समूह चित्र

"हिंदी भाषा अपनी अनेक धाराओं के साथ प्रशस्त क्षेत्र में प्रखर गति से प्रकाशित हो रही है।"

- छविनाथ पांडेय

स्वच्छता अभियान

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 01 अक्टूबर 2023 को 'स्वच्छता ही सेवा' के अंतर्गत एक स्वच्छता अभियान 'एक तारीख - एक घंटा' का आयोजन किया। जिसमें जोधपुर के विरासत स्थल मंडोर उद्यान में एक सफाई अभियान का आयोजन किया गया। संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों सहित लगभग 200 से अधिक सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। स्वच्छता ही सेवा विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई, जो इस प्रकार थी :- 1. अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नवीन विचार, 2. स्वच्छता पर नारे लिखना, 3. स्वच्छता पर कविता लेखन। इस कार्यक्रम में निदेशक, उपनिदेशक व कुलसचिव महोदय ने सभी का हौसला बढ़ाया।

संस्थान ने 'स्वच्छ भारत मिशन' के कार्यान्वयन को गति प्रदान करने के लिए सामुदायिक भागीदारी से परिपूर्ण एक जन आंदोलन उत्पन्न करने के उद्देश्य से श्रमदान गतिविधियाँ शुरू की हैं। राष्ट्रव्यापी भागीदारी के साथ 'स्वच्छ भारत दिवस' संपूर्ण स्वच्छ परिवेश के महत्व का प्रचार-प्रसार करने के लिए एवं स्वच्छता की अवधारणा को सार्थक करने हेतु मनाया गया। इसके अतिरिक्त स्वच्छता 3.0 के भाग के रूप में भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा भी आयोजित किया गया।

निदेशक महोदय की अगुवाई में कार्मिकों एवं छात्रों के साथ 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम (मंडोर उद्यान) में श्रमदान के विभिन्न दृश्य

महात्मा गांधी जयंती

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 2 अक्टूबर 2023 के दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य एक समुदाय के रूप में एक साथ आने और सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के मूल्यों के लिए प्रयास किये जाने का आह्वान था जिनका गांधीजी ने जीवन भर समर्थन किया।

निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी ने कहा, "गांधी जी का भारतीय समाज पर गहरा प्रभाव रहा तथा उनके विचारों ने वर्तमान चर्चाओं के लिए एक पृष्ठभूमि प्रदान की है। गांधीजी की जयंती का उत्सव न केवल उनके असाधारण जीवन की याद दिलाता है बल्कि हमारे लिए उनकी शिक्षाओं और आज की दुनिया में उनकी प्रासंगिकता पर विचार करने का एक अवसर भी प्रदान करता है।" संस्थान के उप निदेशक प्रो. संपत राज वडेरा ने गांधीवादी दर्शन पर व्यावहारिक दृष्टिकोण साझा किए।

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. वरुण शर्मा, अरावली और अर्पण सेवा संस्थान (एन.जी.ओ.) द्वारा स्वच्छता अभियान और गांधीजी के आदर्शों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा, "गाँधीजी के आदर्श न केवल भारतीय समाज के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। गांधीजी की सत्याग्रह, अहिंसा, सर्वोदय और स्वदेशी के मूल्यों पर आधारित विचारधारा आज भी हमें दिशा देती है। गांधीजी के आदर्शों को अपनाकर हम स्वच्छता को अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना सकते हैं, जो हमें न केवल अपने आप को स्वस्थ और खुश रखने में मदद करेगा, बल्कि हमारे समाज को भी स्वस्थ, सुरक्षित, और समृद्ध बनाए रखेगा।"

स्वच्छ भारत अभियान की नोडल अधिकारी एवं सीईटीएसडी प्रमुख प्रो. मीनू छाबड़ा ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिसर में स्वच्छता अभियान के कार्यान्वयन पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा निदेशक महोदय द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - कविता, पोस्टर, सर्वोत्तम नवोन्मेषी विचार इत्यादि के विजेताओं को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार एवं शील्ड प्रदान की गई।

महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में डॉ. वरूण शर्मा गांधी जी के विचारों पर वार्ता एवं प्रस्तुतिकरण का दृश्य

उन्नत भारत अभियान कार्यशाला

उन्नत भारत अभियान के तहत भाग लेने वाले संस्थानों के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा 13 से 14 अक्टूबर 2023 तक एक विशेष अभिविन्यास कार्यशाला आयोजित की गई। 'उन्नत भारत अभियान' जो शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की एक केंद्रीय योजना है, को राजस्थान के ग्यारह जिलों वाले जोधपुर क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय समन्वय संस्थान के रूप में भा.प्रौ.सं. जोधपुर द्वारा समन्वित किया जा रहा है। यूनिसेफ के सहयोग से "सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के लिए - उन्नत भारत अभियान का लाभ उठाना" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उन्नत भारत अभियान, जो कि उच्च शिक्षा संस्थानों और ग्राम समुदाय के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से ग्रामीण परिवर्तन की परिकल्पना करता है। यह अभियान पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) और स्थानीय स्तर की शासन प्रक्रियाओं को मजबूत करने, विशेष रूप से भारत के संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित 29 विषयों के साथ जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की योजना बनाने और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण क्षमता रखता है।

यह राजस्थान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 1959 में पंचायती राज प्रणाली के माध्यम से लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण प्रक्रियाओं को अपनाने वाला पहला राज्य था। संविधान के अनुच्छेद 243 जी के अनुसार, ग्राम पंचायतों को उनके पास उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने के साथ-साथ हस्तांतरित विभागों के कार्यक्रमों और योजनाओं के तहत उपलब्ध संसाधनों को एकत्रित करके ग्राम पंचायत विकास योजनाएँ (जीपीडीपी) तैयार करने का अधिकार है।

पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के लिए संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के शुभारंभ के बाद, ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास, आर्थिक समृद्धि और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के साथ काम करने और उनकी क्षमता निर्माण की आवश्यकता ने महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है। हालांकि, पंचायतों को स्थानीय स्वशासन की वास्तव में जीवंत और प्रभावी इकाइयाँ बनने के लिए, उन्हें आवश्यक ज्ञान, संसाधनों और क्षमताओं से लैस करने की आवश्यकता है। यहीं पर उन्नत भारत अभियान और राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के बीच सहयोग सह-क्रियात्मक और परस्पर पूरक प्रयासों के माध्यम से महत्वपूर्ण सुधार ला सकता है। दोनों पहलों के बीच संभावित तालमेल के बारे में इस स्वीकृति ने राज्य के जोधपुर क्षेत्र के लिए दो दिवसीय कार्यशाला के आयोजन का मार्ग प्रशस्त किया।

कार्यशाला में 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें भाग लेने वाले संस्थानों के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत जिला समन्वयक / जिला कार्यक्रम प्रबंधक, निर्वाचित प्रतिनिधि और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधि, भा.प्रौ.सं. जोधपुर के संकाय सदस्य और छात्र शामिल थे।

निदेशक महोदय एवं सुश्री इसाबेल बार्डेम दीप प्रज्ज्वलन करते हुए

सत्र के दौरान विशेषज्ञ चर्चा का दृश्य

'उन्नत भारत अभियान' कार्यशाला में मंचासीन संस्थान के निदेशक एवं अन्य अतिथिगण

इस पृष्ठभूमि में कार्यशाला में निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति की परिकल्पना की गई:

⇒ उन्नत भारत के विजन और उद्देश्यों पर भाग लेने वाले संस्थानों का उन्मुखीकरण

⇒ भारत अभियान 2.0 और पंचायतों के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण

⇒ भाग लेने वाले संस्थानों की चल रही पहलों पर ज्ञान साझा करना और विचारों और अभिनव समाधानों का परस्पर-निषेचन

⇒ एसडीजी के स्थानीयकरण के लिए 'उन्नत भारत अभियान' का लाभ उठाने के लिए रणनीतियों और दृष्टिकोणों पर आम सहमति बनाना

⇒ भाग लेने वाले संस्थानों के माध्यम से 'उन्नत भारत अभियान' की एलएसडीजी सरेखित गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए जिलेवार कार्य योजनाओं की तैयारी

पंचायती राज मंत्रालय (भारत सरकार) के सचिव श्री सुनील कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यशाला का उद्घाटन भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी ने किया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मंच पर निदेशक महोदय के साथ कई गणमान्य व्यक्ति जैसे - श्री विकास आनंद, संयुक्त सचिव, पंचायती राज मंत्रालय; सुश्री इसाबेल बार्डेम, राजस्थान के लिए यूनिसेफ कार्यालय की प्रमुख; भा.प्रौ.सं. दिल्ली से यू.बी.ए. के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. विवेक कुमार; श्री हरजी लाल अटल, ओ.एस.डी. जोधपुर ग्रामीण; श्री अभिषेक सुराना, सी.ई.ओ. जोधपुर जिला परिषद एवं डॉ. विवेक विजय यू.बी.ए. क्षेत्रीय समन्वयक भी उपस्थित थे।

"इस विशाल प्रदेश के हर भाग में शिक्षित-अशिक्षित नागरिक और ग्रामीण सभी हिन्दी को समझते हैं।"

राहुल सांकृत्यायन

स्वास्थ्य समानता के लिए सम्मेलन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के डिजिटल स्वास्थ्य केंद्र द्वारा लिब्रा सोशल रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से 28 अक्टूबर 2023 को स्वास्थ्य समानता के लिए सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में डिजिटल स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से स्वास्थ्य समानता सुनिश्चित करने की चुनौती पर चर्चा की गई।

राष्ट्रीय एकता दिवस

संस्थान ने 31 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। इस अवसर पर संस्थान के कार्मिकों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ग्रहण की। यह दिवस हमारे महान राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। राष्ट्रीय एकता दिवस का मनाना एक महत्वपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक प्रयास है जो भारतीय समाज को एक साथ लाने और उसकी एकता को मजबूत करने का उद्देश्य रखता है। यह दिन भारतीय राष्ट्रीयता और एकता को महत्व देता है और समाज को इस एकता के महत्व को समझने के लिए प्रेरित करता है।

(सुश्री/श्री/श्रीमती/डॉ.)

पंकज बाजपेयी, वरिष्ठ सहायक

मनीष शर्मा, सहायक खेल अधिकारी

अमित कुमार, कनिष्ठ सहायक

गौतम, कनिष्ठ अधीक्षक

शुभम अरोड़ा, डिजिटल अंतर्वस्तु अभिकल्पक

अश्वनी कुमार गुप्ता, तकनीकी संचार प्रबंधक

प्रज्ञा कुशवाह, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी

हेमन्त मेहरा, सहायक कार्यकारी अभियंता

टीना जांगिड़, वैज्ञानिक अधिकारी

प्रियंका मुंजाल, तकनीकी अधीक्षक

ईदी सुनील बाबू, वैज्ञानिक अधिकारी

हेमन्त वरजानी, डेटाबेस (आँकड़ा) प्रशासक

नन्द लाल शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी

नव नियुक्त कर्मचारी

(समयावधि: अक्टूबर से दिसंबर 2023)

डॉ. कुंतल सोम, सहायक आचार्य

डॉ. नितिन अवाथरे, सहायक आचार्य

डॉ. श्रेया बनर्जी, सहायक आचार्य

डॉ. मिलन कुमार हाजरा, सहायक आचार्य

डॉ. भींवराज सुथार, सहायक आचार्य

डॉ. सीमा सैनी, सहायक आचार्य

डॉ. मनु कंचन, सहायक आचार्य

डॉ. बिकास संतरा, सहायक आचार्य

डॉ. सूरज श्रीवास्तव, सहायक आचार्य

डॉ. तन्मय ईनामदार, सहायक आचार्य

नव नियुक्त संकाय सदस्य

(समयावधि - अक्टूबर से दिसंबर 2023)

स्वागत समारोह

श्री ए.एस. किरण कुमार, पूर्व अध्यक्ष, इसरो द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के अभिशासक मंडल के अध्यक्ष नामित होने के पश्चात 05 अक्टूबर 2023 को पहली बार संस्थान का दौरा किया गया, इसी दिन संस्थान में उनका स्वागत समारोह भी रखा गया । श्री ए.एस. किरण कुमार, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला प्रबंधन परिषद के अध्यक्ष एवं अंतरिक्ष आयोग, भारत सरकार के सदस्य हैं। श्री किरण कुमार एक अत्यंत कुशल अंतरिक्ष वैज्ञानिक और इंजीनियर हैं, जिन्होंने उपग्रह पेलोड और अनुप्रयोग क्षेत्र में इसरो में चार दशकों से अधिक समय तक एक विशिष्ट कॅरियर बनाया है। उन्होंने भास्कर टीवी पेलोड से लेकर मार्स ऑर्बिटर मिशन पेलोड तक एयरबोर्न, लो-अर्थ ऑर्बिट और जियोस्टेशनरी ऑर्बिट उपग्रहों के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल इमेजिंग सेंसर के डिजाइन और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री किरण कुमार ने मंगल ग्रह की ओर मार्स ऑर्बिटर अंतरिक्ष यान को भेजने एवं इसे मंगल ग्रह की कक्षा में स्थापित करने की सफल रणनीति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने भूमि, महासागर, वायुमंडलीय और ग्रहीय अध्ययनों से संबंधित अवलोकन रणनीतियों को विकसित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री किरण कुमार को 2014 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री ए. एस. किरण कुमार, अध्यक्ष अभिशासक मंडल के स्वागत समारोह कार्यक्रम की झलकियाँ

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों की उपस्थिति में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर परिसर राष्ट्र के प्रति समर्पित करने के कार्यक्रम का दृश्य

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा संस्थान परिसर राष्ट्र को समर्पित

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5 अक्टूबर 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के स्थाई परिसर को राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया गया। जोधपुर थार मरूस्थल के प्रवेश द्वार पर स्थित है। और यह शहर कला और संस्कृति की समृद्ध परंपराओं से परिपूर्ण शहर है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर उत्कृष्ट विचारों का पोषण, ज्ञान का सृजन, संरक्षण और ज्ञान प्रदान करने वाला एवं देश में सबसे तेजी से बढ़ते तकनीकी संस्थानों में से एक संस्थान है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर सामाजिक चुनौतियों एवं आकाँक्षाओं के प्रत्युत्तर में बहु-विषयक दृष्टिकोण और परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाला एक भविष्य का संस्थान है। यह भारत की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर का अत्याधुनिक परिसर 1135 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। यह अनुसंधान और नवाचार पहलों का समर्थन करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली समग्र शिक्षा प्रदान करने और बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

माननीय प्रधानमंत्री ने कहा, "एम्स जोधपुर और आईआईटी जोधपुर को राजस्थान ही नहीं बल्कि देश के प्रमुख संस्थानों में देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। एम्स और आईआईटी जोधपुर ने मिलकर मेडिकल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नई संभावनाओं पर काम शुरू किया है। रोबोटिक सर्जरी जैसी हाईटेक मेडिकल तकनीक भारत को अनुसंधान और उद्योग के क्षेत्र में नई ऊँचाई देगी।" (स्रोत – पी.आई.बी.)

संस्थान सुनियोजित पाठ्यक्रमों के माध्यम से समग्र शिक्षा के लक्ष्य की दिशा में अग्रसर है, जिसमें नवाचार, सामाजिक जुड़ाव, रचनात्मक समस्या-समाधान, उद्यमशीलता, निष्पक्षता और एक बहु-विषयक दृष्टिकोण जैसे तत्वों को शामिल करना है। साथ ही, संस्थान नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करके भारत के 'अमृत काल' के लिए 'पंच प्रण' के संकल्प को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़

अध्यक्ष अभिशासक मंडल, निदेशक एवं उपनिदेशक की अगुवाई में कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित संस्थान के अधिकारीगण

उत्तरी क्षेत्रों का क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा दिनांक 28 दिसम्बर 2023 को उत्तरी क्षेत्र के राज्यों के राजभाषा पुरस्कार सम्मेलन की मेजबानी की गई। इस पुरस्कार समारोह में राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र मुख्य अतिथि थे तथा श्री अजय मिश्रा, राज्य मंत्री, गृह मंत्रालय, समारोह के अध्यक्ष थे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने पहली बार इस कार्यक्रम की मेजबानी की थी।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल महोदय के कर कमलों से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर परिसर में हिन्दी टंकण प्रशिक्षण केंद्र का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी भी मंच पर मौजूद रहें, जिन्होंने राज्यपाल सहित अन्य सभी मंचासीन अतिथियों का स्मृति चिन्ह के साथ स्वागत किया। साथ ही जोधपुर की नराकास - I के अध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए सचिव, राजभाषा विभाग, श्रीमती अंशुली आर्या ने हिन्दी के कार्यान्वयन के लिए किये जा रहे प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया। साथ ही राजभाषा के बेहतर प्रसार हेतु सूचना तकनीक के बेहतर उपयोग पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि देश की अन्य भाषाओं से हिंदी को समृद्ध करने की दिशा में 'हिन्दी शब्द सिंधु' नामक बृहत् शब्दकोश का निर्माण किया जा रहा है। इसमें विभिन्न विषयों जैसे सुदूर जनसंचार, आयुर्वेद, खेलकूद, अंतरिक्ष विज्ञान, भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान, वैमानिकी, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स भूगर्भशास्त्र, मानविकी आदि से संबंधित शब्दावली के साथ-साथ पारंपरिक शब्दावली को भी समाहित किया जा रहा है।

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि हिन्दी सिर्फ भाषा ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और भारतीयता का गौरव है। हिंदी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर से लेकर वर्तमान काल तक भारत के सांस्कृतिक एवं जीवन मूल्यों को एक सूत्र में पिरोए रखा है। उन्होंने आगे कहा कि इतिहास गवाह है कि स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिन्दी ने पूरे देश को एकजुट रख कर देशवासियों में राष्ट्र प्रेम और स्वाभिमान की अद्भुत भावना जागृत करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौर का वर्णन करते हुए स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा पर चर्चा करते हुए बताया कि बिना स्वदेशी व स्वभाषा के स्वराज सार्थक नहीं हो सकता।

श्री मिश्र ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी विश्व की सर्वश्रेष्ठ भाषाओं में से एक है तथा अपनी सरलता, सहजता एवं व्यापकता के कारण पूरे देश में संपर्क भाषा के रूप में स्थापित हो गई है। संविधान ने भी हम सब पर राजभाषा हिंदी के विकास और प्रयोग-प्रसार का दायित्व सौंपा है। यह कार्य सभी के सहयोग और सद्भावना से ही संभव है। उन्होंने हिन्दी के शब्द भंडार को निरंतर समृद्ध करने, हिन्दी को तकनीकी सहयोग से आगे बढ़ाने और इसे विश्व अनुवाद की भाषा के रूप में विकसित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी व्यवस्था लोकतांत्रिक और जन-कल्याणकारी है। सरकार की कल्याणकारी योजनाएं तभी प्रभावी बन सकेंगी जब आम जनता उनसे लाभान्वित होगी। उन्होंने इसके लिए हिंदी को काम-काज की भाषा बनाए जाने पर जोर दिया। अपने संबोधन के अंत में राज्यपाल ने प्रौद्योगिकी से हिंदी को अधिकाधिक जोड़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि भारत की संस्कृति को समझने के लिए भारत की भाषा को समझना आवश्यक है। उन्होंने संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता से आगे बढ़ने का आह्वान भी किया। उन्होंने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी दिशा का एक सशक्त प्रयास है। आज हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं संपूर्ण विश्व में प्रयोग और सम्मान बढ़ रहा है।

इस कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल ने राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के निष्पादन हेतु पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र तथा शील्ड देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए निदेशक महोदय

राज्य मंत्री श्री अजय मिश्रा को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए निदेशक महोदय

राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुली आर्या को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए निदेशक महोदय

नराकास अध्यक्ष श्री पंकज कुमार सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए निदेशक महोदय

निदेशक महोदय का स्मृति चिह्न के साथ स्वागत करते श्री नरेंद्र सिंह मेहरा, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग

श्री अजय मिश्रा, राज्य मंत्री, गृह मंत्रालय भाषण देते हुए

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र सभा को संबोधित करते हुए

श्रीमती अंशुली आर्या भाषण देते हुए

कार्यक्रम के समापन में राष्ट्रगान के दौरान मंच पर उपस्थित राज्यपाल एवं अधिकारीगण

सतर्कता जागरूकता सप्ताह की झलकियाँ

सतर्कता जागरूकता सप्ताह - प्रतियोगिताओं के विजेता

प्रतियोगिता का नाम	प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
निबंध लेखन	श्री भरत पारीक, तकनीकी अधिकारी	श्री योगेश भाटी, अधीक्षक	श्री अशोक गहलोत, कनिष्ठ अधीक्षक
आशु भाषण	श्री बलदेव चौधरी, कनिष्ठ तकनीकी सहायक	सुश्री टी. मालती, सहायक कुलसचिव	श्री अशोक गहलोत, कनिष्ठ अधीक्षक
पोस्टर	सुश्री कंचन मिश्रा युवा प्रशासनिक सहयोगी	सुश्री त्रिलोतमा सिंह, कनिष्ठ अधीक्षक	श्री विवेक वर्मा, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
सतर्कता प्रश्नोत्तरी	सुश्री टी. मालती, सहायक कुलसचिव एवं सुश्री मनीषा भाटी, कनिष्ठ सहायक	श्री अजय, कनिष्ठ सहायक	श्री शेख एजाज, कनिष्ठ तकनीकी सहायक

कार्यशाला - चिकित्सकीय विनियामक ढांचा

19 दिसंबर 2023 को चिकित्सा और चिकित्सकीय हस्तक्षेपों के लिए नियामक ढाँचे पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख विशेषज्ञों में संस्थान के निदेशक प्रोफसर शांतनु चौधुरी, एम्स जोधपुर के कार्यकारी निदेशक प्रो. माधवानंद कर; सीएमआईई - एम्स दिल्ली के मुख्य समन्वय अधिकारी प्रो. ए के डिंडा एवं विजन आई.पी.आर. मुंबई के सीईओ प्रो. प्रबुद्ध गांगुली के नेतृत्व में वार्ता और पैनल चर्चा की गई। जिसमें चिकित्सा प्रौद्योगिकियों, चिकित्सा हस्तक्षेप/दवा खोज/डिजिटल स्वास्थ्य पहल के क्षेत्र में कार्यरत संकाय सदस्यों एवं छात्रों को नियामक ढाँचे की बारीकियों से अवगत करवाया गया।

विश्व एड्स दिवस

विश्व एड्स दिवस (1 दिसंबर 2023) भा.प्रो.सं. जोधपुर में आयोजित एक विचारोत्तेजक और जानकारीपूर्ण कार्यक्रम था, जो एचआईवी/एड्स के खिलाफ चल रही लड़ाई में चुनौतियों और प्रगति पर विचार करने के लिए अकादमिक समुदाय को एक साथ लाता है। प्रस्तुतियों की विविध श्रृंखला ने प्रतिभागियों के बीच जिम्मेदारी और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देते हुए एक समग्र परिप्रेक्ष्य प्रदान किया।

विभागीय तकनीकी वार्ताएं एवं चर्चा सत्र

⇒ 13 अक्टूबर 2023: गणितीय और कम्प्यूटेशनल अर्थशास्त्र केंद्र, स्कूल ऑफ एआई और डेटा साइंस ने "क्या क्रांति काम करती है? - नेपाल के संघीय लोकतंत्र के जन्म से साक्ष्य" शीर्षक पर डॉ. दीपक सिंघानिया द्वारा एक वार्ता का आयोजन किया। डॉ. सिंघानिया भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में सहायक प्रोफेसर हैं।

⇒ 14 अक्टूबर 2023: डॉ. अप्रतिम चटर्जी, आई.आई.एस.ई.आर-पुणे ने भौतिकी विभाग में "एन्ट्रॉपी प्रेरित संगठन: पॉलिमर टोपोलॉजी जीवित कोशिका के भीतर जीवाणु गुणसूत्र संगठन को संचालित करता है" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

⇒ 16 अक्टूबर 2023: प्रोफेसर भीम लिंगम चित्तारी, भौतिक विज्ञान विभाग, आई.आई.एस.ई.आर. कोलकाता ने भौतिकी विभाग में "स्तरित द्वि-आयामी सामग्रियों में कक्षीय हॉल प्रभाव" विषय पर एक चर्चा सत्र आयोजित किया।

⇒ 30 अक्टूबर 2023: प्रोफेसर सम्राट मुखोपाध्याय, जैविक विज्ञान विभाग, आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली ने जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग में "जैविक चरण परिवर्तन: जहां रसायन विज्ञान और भौतिकी जीवविज्ञान से मिलते हैं" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

⇒ 1 नवंबर 2023: प्रोफेसर राजीव मिश्रा, रीजेंट्स प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास, यू.एस.ए. ने धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग में "अंतरिक्ष निवास युग की शुरुआत में कम्प्यूटेशनल रूप से डिजाइन किए गए मिश्र धातुओं और प्रक्रियाओं का अभिसरण" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

⇒ 8 नवंबर 2023: प्रोफेसर श्रीपाद रेवनकर ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में "टू फेज़ नेचुरल सर्कुलेशन एप्लाइड न्यूक्लियर रिएक्टर सेफ्टी सिस्टम्स" विषय पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर रेवनकर परमाणु इंजीनियरिंग के प्रोफेसर और पर्ड्यू विश्वविद्यालय, वेस्ट लाफायेट, इंडियाना में परमाणु इंजीनियरिंग स्कूल में मल्टीफ़ेज़ और ईंधन सेल अनुसंधान प्रयोगशाला के निदेशक हैं।

⇒ 24 नवंबर 2023: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा, के संचार विभाग के डॉ. प्रतीक्षित पांडे ने कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में "मीडिया और मस्तिष्क: स्वास्थ्य और राजनीतिक संचार में न्यूरोइमेजिंग से सबक" विषय पर व्याख्यान दिया।

⇒ 9-10 दिसंबर 2023: इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने माइक्रोवेव और एंटीना डिजाइन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला एस.ई.आर.बी. की सहायता एवं IEEE दिल्ली सेक्शन एंटीना और प्रोपेगेशन सोसाइटी चैप्टर-जयपुर के सहयोग से आयोजित की गई थी। कार्यशाला के दौरान प्रख्यात शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों जैसे डॉ. गौरांगी गुप्ता, पोस्टडॉक फेलो जेपीएल, नासा, यूएसए, डॉ. सप्तर्षि घोष, सहायक प्रो. भा.प्रौ.सं. इंदौर, डॉ. सुकोमल डे, एसोसिएट प्रोफेसर भा.प्रौ.सं. पलक्कड़, और डॉ. आकाश बंसल, लॉफ़बरो विश्वविद्यालय, यूके के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान आयोजित किए गए।

⇒ 14 दिसंबर 2023: प्रोफेसर संजय पुरी, स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भौतिकी विभाग में "जीवित तरल क्रिस्टल के सहकारी काइनेटिक्स" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

कविता: विज्ञान के देवता

इलेक्ट्रोन प्रोटॉन अलौकिक
इनसे निर्मित ये जग भौतिक
कुदरत की अनबूझ पहेली
एक दूजे की खास सहेली।

आपस में अठखेली करते
धीरे धीरे सृष्टि रचते
मिलकर न्यूट्रॉन बन जाते
परमाणु भी यही बनाते।

तारो की भट्टी में तपकर तत्वों का निर्माण कर रहे।
ज्योतिकनो से अठखेली कर जीवन का निर्माण कर रहे
अणुओं के अंदर बंध यही, जीवन सैलो का अंग यही
धरती सूरज चांद सितारे इन्हीं से निर्मित हैं सारे
सूरज में ये ही चमक रहे मेघों में ये ही गरज रहे।

स्वंभू आवेशित ये, अति सूक्ष्म अविनाशी ये
धन आवेशित प्रोटॉन बली नाभिक के अंदर थिरक रहा।
ऋण आवेशित इलेक्ट्रोन कक्षा में चहुं दिशि घूम रहा
खरबों बरसौं से कुदरत में चल रहा निरंतर महा रास।

रुक जाए कर दे महा नाश
प्रोटॉन नारायण हैं इलेक्ट्रॉन हैं नर स्वरूप
प्रोटॉन नट नागर हैं इलेक्ट्रोन गोपी स्वरूप
गर शंकर का अस्तित्व कहीं ये दोनों शंकर के गण विशेष।

दोनों अद्भुत दोनों अनूप
दोनों ईश्वर के सूक्ष्म रूप।।

श्री रविन्द्र कुमार
निदेशक, डीआरडीओ इंडस्ट्री एकेडमिया उत्कृष्ठता केंद्र - भा.प्रौ.सं. जोधपुर
सेवा निवृत निदेशक, रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर

कविता: मानवता और विज्ञान से भविष्य का मिलान

जग के विकास के लिए विज्ञान है आधार।
भविष्य को यह बनाता अद्भुत संसार।।
पर जब समस्याएं बढ़तीं हैं लगातार।
तब समझौता करना पड़ता हमें विस्तार।।

कार्य समूह है S20 जो करता विशेष विचार।
सतत विकास, ग्रीन एनर्जी एवं ग्लोबल रोजगार।।
जो तय करता संकट मुक्त करें कैसे संसार।
हर मुद्दे पर चर्चा बनती जरूरी नियमों का आधार।।

भारत ने दिया है संभावनाओं का नया आकर।
इससे खुलेंगे सतत विकास और समृद्धि के द्वार।।
विज्ञान और मानवता का मिलान, है हम सबका विचार।
जिससे भविष्य के लिए में बनेगा हम सबका आधार।।

समावेशी विकास के लिए इस विज्ञान का रोल अनमोल।
संरचना से लेकर ऊर्जा तक बसता उसका स्कूल।।
विज्ञान, तकनीकी एवं मानवता का अद्भुत मिलान।
सतत विकास के लिए जरूरी है यह समाधान।।

शुद्ध ऊर्जा, स्वास्थ्य और संस्कृति से जोड़ना होगा विज्ञान।
जिससे बनेगा सुनहरे भविष्य का निशान।।
सामाजिक विज्ञान से जीवन की महत्ता होगी संज्ञान।
आइए साथ मिलकर करें सतत विकास का अभियान।।

इसी भावना को अपनाकर होगा समस्त मानवता का उत्थान।
अभिनव और सतत विकास के लिए विघटनकारी विज्ञान।।
हम सबको मिलकर ढूंढना है इसका निदान।
लाएंगे नए उद्यम की राह पर ये देश महान।।

लेखक:अनिकेत सचान
स्नातकोत्तर छात्र
स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स

कविता: जब हमें आगे बढ़ना है

विपरीत परिस्थितियों में भी अदम्य साहस कैसे कायम रखा जाए, यह स्वतंत्रता सेनानियों से बेहतर कौन सिखा सकता है ! स्वतंत्रता सेनानियों की स्वतंत्रता संग्राम में मनोदशा को प्रगट करती कुछ पंक्तियाँ-

जब हमें आगे बढ़ना है ,
फिर किससे भी क्यों डरना है।
जो तूफान रास्ता रोक खड़े हो ,
पार उन्हें भी करना है ।।

जब हमें आगे बढ़ना है
चाहे शिशिर की शीतलता छायी हो ,
या ग्रीष्म बेचैनी लाई हो।
अब ध्यान नहीं देना इन पर,
चाहे डर की परछाई हो ।।

जब हमें आगे बढ़ना है
दांव लगाना है सबका,
जो मिला आज या हो कब का।
उत्सर्ग प्राण करने हो या,
इससे बड़ा कहर बरपा ।।

जब हमें आगे बढ़ना है ,
फिर किस से भी क्यों डरना है ।।

लेखक:आभास मालगुड़ी
स्नातकोत्तर छात्र
गणित विभाग

कविता: पूरक

('राजस्थानी भाषा, संस्कृति एवं साहित्य अकादमी, बीकानेर', द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'मंडाण' (2013) में प्रकाशित राजस्थानी कविता का अनुवाद)

उजाला और अंधेरा, पूरक है एक दूसरे के
एक यदि हो जाये थोड़ा भी कम
तो दूसरा बढ़ जाता है उतना ही
न थोड़ा कम, न ही थोड़ा भी अधिक।

वैसे ही, जैसे सुख और दु:ख, पूरक है एक दूसरे के
तमाम व्यस्तताओं के बीच
ज़िन्दगी में किंकर्त्तव्यविमूढ़ होते हुए
खुशी की खोज में 'खुद' से दूर जाते हुए
दु:खी लोग जब पा लेते है, थोड़े भी क्षण खुशी के
फिर आगे बढ़ जाते है, गली खुशी को खोजने
अपने चिर साथी दु:ख के साथ।
दु:ख नहीं हुआ, तो खुशी के पीछे कौन भागेगा !

वैसे ही जैसे सपनें और हकीक़त, पूरक है एक दूसरे के।
कोई-कोई सपने, इसीलिये लेते है जन्म
कि उन्हें बदलना होता है एक दिन हकीक़त में।
पर, कुछ सपनें मर जाते है जन्मते ही
क्योंकि उनका सामना हो जाता है हकीक़त से
समय से पहले ही, जन्म लेते ही।
अच्छा है कुछ-कुछ सपनों का मर जाना
नहीं तो हकीक़त में लोग सपने देखना छोड़ देंगे !

वैसे ही जैसे मौन और संगीत, पूरक है एक दूसरे के।
चुपचाप रहना भी संगीत है एक तरह का
और घंटों तक गाते-गाते एकदम चुप हो जाना भी।
किसी ने सच ही कहा है, "दो सुरों के बीच मौन में ही बसता है असली संगीत"
कभी-कभी मौन ना रहे, तो पूरे दिन संगीत कौन सुनेगा !

वैसे ही जैसे आशा और निराशा पूरक है एक दूसरे के।
घोर निराशा के क्षणों में भी बची होती है,
चाहे थोड़ी ही सही, जिजीविषा।
आशा की लाठी के सहारे हो ही जाती है पार,
ये ज़िन्दगी की राह चाहे धीमे-धीमे, चाहे थोड़ा जल्दी।
कभी-कभी निराश ना हुए तो फिर आस कौन पालेगा !

वैसे ही जैसे मिलन और विरह, पूरक है एक दूसरे के।
मिलन के सघन क्षणों को प्रेमी
रख लेना चाहते है, अपनी यादों के तलघर में छुपा कर
विरह किसे भी अच्छा लगा है कभी भला !
पर यदि विरह ना हुआ, तो मिलन का अर्थ कौन समझेगा!

वैसे ही जैसे जीवन और मृत्यु, पूरक है एक दूसरे के।
लोग ... सारे लोग .... मरते है हर रोज़
थोड़ा-थोड़ा कर टुकड़ों-टुकड़ों में
मौत को गले लगाने भागता जीवन
और जीवन को प्रेमी की तरह बुलाती मौत
वही तो पैदा करती है जीवन जीने का रोमांच।
मृत्यु ना हुई तो जीवन का मोल कौन करेगा !

मूल कविता तथा अनुवाद:
डॉ. जय नारायण त्रिपाठी
सहायक आचार्य
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

"क, ख, ग क्षेत्रों का विवरण"

हिंदी बोले जाने और लिखे जाने के आधार पर देश के राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को तीन क्षेत्रों में चिह्नित किया

क्षेत्र	क्षेत्र में शामिल राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
'क'	बिहार, छत्तीसगढ, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र
'ख'	गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन व दीव और दादरा व नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र
'ग'	'क' और 'ख' क्षेत्र में शामिल नहीं किए गए अन्य राज्य या संघ राज्य क्षेत्र

संघ का राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए वार्षिक कार्यक्रम 2023-24

राष्ट्रीय संविधान दिवस

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 23 नवंबर 2023 को राष्ट्रीय संविधान दिवस पर एक विचारशील और आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संविधान दिवस एक राष्ट्र के रूप में हमारी सामूहिक यात्रा में गहरा महत्व रखता है, जो भारत के संविधान को अपनाने का प्रतीक है। कार्यक्रम की शुरुआत माननीय निदेशक ने संविधान के दृष्टिकोण और प्रस्तावना के महत्व का वर्णन करते हुए कहा कि "इस अवसर का जश्न मनाने के लिए, हमने एक भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया है जो हमारे संवैधानिक ढांचे में निहित भावना और आदर्शों को दर्शाता है।"

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अतिथि वक्ता न्यायमूर्ति डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी का ज्ञानवर्धक भाषण था, जिसमें उन्होंने "विविधता में सद्भाव" की अवधारणा पर गहराई से चर्चा की। उनके शब्दों में हमारी विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बीच एकता के सार की अद्भुत झलक दिखायी पड़ी।

प्रो. प्रबुद्ध गांगुली और डॉ. प्रसेनजीत त्रिभुवन द्वारा भारतीय संविधान के मूल मूल्यों और इसकी निरंतर विकसित होती प्रकृति पर गहन चर्चा करते हुए संवैधानिक ढांचे की पेचीदगियों पर प्रकाश डाला। उन्होनें निम्नलिखित विषयों पर भी चर्चा की -

(क) भारतीय संवैधानिक मूल्यों और (ख) भारतीय संविधान: एक निरंतर विकसित पांडुलिपि।

भारतीय भाषा उत्सव

भाषाई विविधता का एक जीवंत उत्सव "भारतीय भाषा उत्सव" का आयोजन 11 दिसंबर 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में किया गया। इस कार्यक्रम में कविता पाठ और 'कई सिनेमा, कई आवाजें' पर बंगाली, राजस्थानी , मराठी, मलयालम, तेलुगु, पंजाबी और हिंदी में चर्चा हुई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व पर प्रकाश डालना और विविधता के बीच एकता की भावना को बढ़ावा देने हेतु एक मंच प्रदान करना था। संस्थान भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर देकर सांस्कृतिक समावेशिता और भाषाई विविधता के प्रतीक के रूप में उभरा हैं।

इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी दिखाते हुए कविता पाठ, गीत और नाटक सहित विभिन्न भाषाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह एक सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक अभियान है जो भारतीय भाषाओं को मजबूत और जीवंत बनाने का लक्ष्य रखता है।

"समस्त भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपि आवश्यक हो तो वह देवनागरी ही हो सकती है।"

- जस्टिस कृष्णस्वामी अय्यर

एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा "एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद" विचार प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के सहयोग से किया गया। यह प्रतियोगिता आयुर्वेद दिवस के उत्सव के रूप में 10 नवंबर 2023 को आयोजित की गई।

इस वर्ष के आयुर्वेद दिवस का विषय "एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद: हर दिन सभी के लिए आयुर्वेद" है। जिसका उद्देश्य नवीन विचारों और समाधानों को बढ़ावा देना है जो आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों के साथ आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान को जोड़ सकते है। उल्लिखित विषय पर विचार प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों की रचनात्मकता, उत्साह और ज्ञानवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया।

कार्यक्रम के मूल उद्देश्य निम्नलिखित थे :

1. मानव जीवन सहित एक पारिस्थितिक तंत्र के पोषण में "एक स्वास्थ्य और आयुर्वेद" के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना।
2. सतत विकास के लिए आयुर्वेद ज्ञान प्रणाली को एकीकृत करके तकनीकी हस्तक्षेप का उपयोग करने के लिए युवाओं को प्रेरित करना।

प्रतियोगिताओं में मुख्यतः आयुर्वेद को कला और विज्ञान के माध्यम से व्यक्त करना, संगीत या कविता के माध्यम से आयुर्वेद का प्रचार-प्रसार एवं समस्या-समाधान के लिए चुनौतियाँ दी गई।

भागीदारी के इन विविध मार्गों की पेशकश करके संस्थान का उद्देश्य आयुर्वेद की बहुमुखी प्रतिभा और जीवन के विभिन्न पहलुओं में इसकी प्रासंगिकता और "एक स्वास्थ्य" ढांचे में इसके अनुप्रयोग का उत्सव मनाना था। इस आयोजन ने आयुर्वेद के बारे में प्रतिभागियों समझ को समृद्ध किया। साथ ही साथ आयुर्वेद के ज्ञान को एक अनोखे और सम्मोहक तरीके से साझा करने की भी पहल की।

कार्यालयी टिप्पणियां

Delegation of financial powers - वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन।

Duly Sanctioned - विधिवत मंजूर किया हुआ।

Early action in the matter is requested - अनुरोध है कि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करें।

For onward transmission - आगे भेजने के लिए

For the reasons enumerated above - ऊपर बताए गए कारणों से

I fully agree with the office note - मैं कार्यालय की टिप्पणी से पूर्णतया सहमत हूँ

In partial modification of - का आंशिक संशोधन करते हुए

Issue reminder urgently - तुरंत अनुस्मारक भेजिए

May please see for information - कृपया सूचनार्थ देखें

Medical claim may be reimbursed - चिकित्सा बिल की प्रतिपूर्ति की जाये

इंटर आईआईटी खेल प्रतियोगिता

निदेशक महोदय, उपनिदेशक महोदय वॉलीबॉल विजेता दल के साथ समूह चित्र

28वीं अंतर आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स मीट - 2023 का आयोजन 23.12.2023 से 31.12.2023 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में किया गया। भा. प्रौ. सं. जोधपुर के संकाय सदस्य एवं कार्मिकों के समूह ने विभिन्न खेल आयोजनों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस तरह के खेलों का आयोजन संस्थानों की दैनिक गतिविधियों में टीम भावना को विकसित करने, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में बढ़ावा देने के मुख्य उद्देश्य से किया जाता है। साथ ही इससे अन्य संस्थानों के कार्मिकों के साथ संवाद एवं वार्तालाप स्थापित करते हुए संयुक्त विकास के लिए अग्रसर होने का अवसर प्रदान करता है।

संस्थान की टीम ने पुरुष वॉलीबॉल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक, अन्य प्रतियोगियों ने लंबी कूद और ऊंची कूद में रजत पदक भी जीता। संस्थान में वापसी के उपरांत निदेशक एवं उपनिदेशक महोदय द्वारा सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया तथा विजेताओं का मेडल पहनाकर सम्मान किया गया। निदेशक महोदय ने विजेता टीम को बधाई देते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं में संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

निदेशक महोदय एवं उपनिदेशक महोदय के साथ संस्थान के इंटर आईआईटी खेल प्रतियोगिता के प्रतिभागियों का समूह चित्र

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्जवलित करते निदेशक महोदय एवं अन्य अधिकारीगण

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के तहत कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन 1 नवंबर, 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर और जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन (जेसीकेआईएफ) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण हेतु 200 से अधिक छात्र उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) की प्रमुख योजना है, जिसे राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा क्रियान्वित किया जाता है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बड़ी संख्या में भारतीय युवाओं को उद्योग-संबंधित कौशल प्रशिक्षण लेने में सक्षम बनाना है, जिससे उन्हें बेहतर आजीविका प्राप्त करने में मदद मिलती है।

निदेशक महोदय ने उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्वलन करने के उपरांत सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ प्रशिक्षण की सफलता के लिए कठिन परिश्रम का मूल मंत्र दिया।

नि:शुल्क प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम

सोलर पैनल इंस्टालेशन तकनीशियन
(210 घंटे, 2 महीने)
https://goo.by/TVcPrt

इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर असेंबली ऑपरेटर
(450 घंटे, 4 महीने)
https://goo.by/psMieE

सौर एलईडी तकनीशियन
(600 घंटे, 5 महीने)
https://goo.by/FDtTUO

इलेक्ट्रॉनिक्स मशीन मेंटेनेंस
एग्जीक्यूटिव (600 घंटे, 5 महीने)
https://goo.by/oispAr

कौशल विकास कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में निदेशक महोदय संबोधित करते हुए

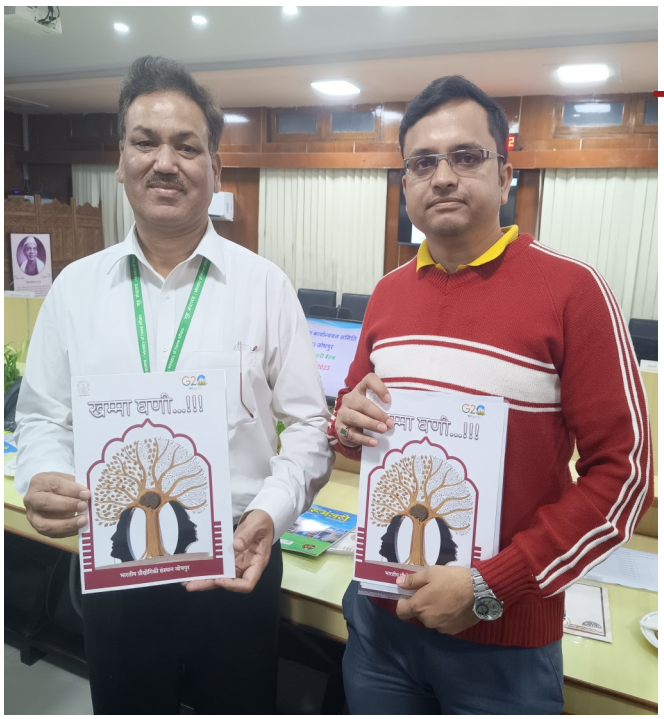

कार्यवाहक कुलसचिव डॉ. सोमनाथ घोष श्री नरेंद्र सिंह मेहरा को 'खम्मा घणी' की प्रति भेंट करते हुए

नराकास बैठक

दिनांक 29.11.2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जोधपुर (क्रमांक-1) की द्वितीय बैठक श्री पंकज कुमार सिंह, अध्यक्ष नराकास एवं मंडल रेल प्रबंधक, उ.प.रेलवे जोधपुर की अध्यक्षता में की गई । राजभाषा विभाग से पधारे सहायक निदेशक श्री नरेंद्र सिंह मेहरा ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की भूमिका से अवगत कराया। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों को सूचित किया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर मे आयोजित होने वाले क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में आयोजित होने वाले क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में सभी सदस्य कार्यालयों के सहयोग की अपेक्षा की।

ऑगमेंटेड रियलिटी प्रदर्शनी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 6 नवंबर 2023 को एलायंस फ्रांसेसे, जयपुर के सहयोग से "मिडी मिनिट" नामक एक संवर्धित वास्तविकता प्रदर्शनी (Augmented Reality Exhibition) का आयोजन किया गया। फ्रांसीसी कलाकार ऑरेलियन जेनी द्वारा बनाए गए चुनिंदा कार्डों और पैनलों की प्रदर्शनी लगाई गई। "मिडी मिनिट" प्रदर्शनी को एक संवर्धित वास्तविकता प्रयोगशाला के रूप में माना जाता है, जो संवर्धित वास्तविकता की उभरती दुनिया को एक असाधारण दृश्य प्रदान करती है।

आउटरीच केंद्र का उद्घाटन

14 नवंबर 2023 को दिल्ली-एनसीआर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी ने डीन और अन्य मेहमानों की उपस्थिति में आउटरीच केंद्र का उद्घाटन किया।

खम्मा घणी!!

अक्टूबर - दिसंबर तिमाही 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

॥ त्वं ज्ञानमयो विज्ञानमयोऽसि ॥